शोधपत्र भेजते समय निम्नलिखित बिन्दुओं पर कृपया विशेष ध्यान दें :-

- शोधपत्र का एक पृष्ठीय सारांश दिनांक 10 जनवरी, 2009 तक svgcc@yahoo.co.in पर ई-मेल करें ।
- शोधपत्र सारांश को कम्प्यूटर पर MS-WORD में टाईप करें ।
- आपका और संस्था का नाम शोध शीर्षक के नीचे लिखें।
- शोध सारांश के लिये निम्नलिखित Page Specifications को अपनाएं :-

- Page Size	-	A-4
- Top Margin	-	2.5 cms
- Bottom Margin	-	2.5 cms
- Left Margin	-	3.0 cms
- Right Margin	-	2.0 cms
- Line Spacing	-	1.5
- Font Type	-Times new Roman (English)	- Kruti Dev 010 (हिन्दी)
- Font Size -		
- Title	14	16
- Text	12	14

- सम्पूर्ण शोधपत्र की हार्ड कॉपी तथा आपका मोबाईल नंबर दिनांक 15 जनवरी, 2009 तक अवश्य भेज दें ।

अधिक जानकारी के लिए शोधपत्र चयन एवं प्रकाशन समिति के अध्यक्ष डॉ.सुनील अग्रवाल से मो. 98272-63659 अथवा 94253-54820 पर सम्पर्क करें ।

Patron

Dr. Kamala Sharma
Principal

Steering Committee

Dr. S. C. Jain	*Director*
Dr. Satish Maheshwari	*Co-ordinator*
Dr. Sunil Agrawal	*Chief Editor*

Organising Committee

Dr. R. K. Mathur	*Convener*
Capt. M. L. Chouhan	*Co-convener*
Dr. Abhay Pathak	*Org. Secretary*
Dr. Laxman Parwal	*Joint Secretary*

Advisory Committee

Dr. B. S. Labana

Prof. K. C. Nahar

Prof. Sunil Suryavanshi

Dr. Premlata Gandhi

National Research Seminar

Impact of Globalisation on Indian Economy
वैश्वीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

February 4 & 5, 2009

Sponsored by
University Grants Commission

Book -Post

TO,
Prof./Dr....
....
....

From-

Dr. Kamala Sharma — *Principal*
Dr. S. C. Jain — *Head, Dept. of Commerce*

Organised by
Swami Vivekanand Govt. Commerce College
RATLAM (M.P.) 457001
Ph.07412-263353

वैश्वीकरण का दौर आज एक चौराहे पर दिग्भ्रमित होकर नई राह तलाश रहा है। अमेरिका से चली आर्थिक स्वतंत्रतावाद की हवा अब संरक्षणवाद में बदल गई है। भारत में पहले जहाँ हम यह कह रहे थे कि हमें आर्थिक सुधारों को और तेजी से लागू कर व्यावसायिक अवसरों का दोहन करना चाहिये, वहीं अब हमें इस बात से बड़ी प्रसन्नता और राहत है कि हमारी अर्थव्यवस्था का बड़ा भाग आज भी घरेलू बचत, विनियोग और उत्पादन पर आधारित होकर सुरक्षित है। कुछ अर्थशास्त्री जहाँ इस आर्थिक संकट को मंदी कहने से ही इंकार कर रहे हैं, वहीं अन्य अनेक अर्थशास्त्री इसकी कल्पना 1929 से भी अधिक बुरी आर्थिक सुनामी के रूप में कर रहे हैं। असमंजस और ऊहापोह की इन स्थितियों में वाणिज्य और अर्थशास्त्र के विद्वानों के लिए यह उचित और अपेक्षित भी है कि वे इस दौर की व्याख्या हेतु सार्थक संवाद करें। इस परिप्रेक्ष्य में स्वामी विवेकानंद शा. वाणिज्य महाविद्यालय, रतलाम का वाणिज्य विभाग दिनांक 04 एवं 05 फरवरी, 2009 को राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन निम्नलिखित विषय पर कर रहा है:-

" वैश्वीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव "

(Impact of Globalisation on Indian Economy)

उक्त विषय के अन्तर्गत शोधपत्र आमंत्रित हैं। इस हेतु आपकी सुविधा के लिए प्रमुख विचारणीय प्रश्न निम्नानुसार सुझाए जा सकते हैं :-

1. क्या भारत आर्थिक मंदी के इस भयावह दौर में खतरों को अवसरों में बदल सकता है ?
2. क्या वर्तमान संकट को भारत के सन्दर्भ में मंदी कहना उचित है ?
3. क्या शिक्षा और चिकित्सा जैसे सामाजिक क्षेत्रों में सार्वजनिक व्यय बढ़ाकर हम इस संकट का मुकाबला कर सकते हैं ?
4. क्या भारत को आर्थिक सुधारों की राह पर बढ़ते कदमों को अब पीछे हटा लेना चाहिये ?
5. क्या इस संकट का मुकाबला मात्र मौद्रिक एवं राजकोषीय उपायों द्वारा किया जा सकता है ?

उक्त के अतिरिक्त

- विदेशी मुद्रा भंडार (Forex Reserve),
- विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI),
- विदेशी संस्थागत निवेश (FII),
- अनिवासी भारतीयों द्वारा निवेश (Investment by NRIs),
- निजी - सार्वजनिक भागीदारी (PPP),
- बिज़नेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (BPO),
- विदेशी विनिमय दर (Exchange Rate),
- पूंजी खाते पर परिवर्तनीयता (Convertibility on capital A/c),
- विदेश व्यापार (Foreign Trade),
- भुगतान संतुलन(BOP),
- सकल घरेलू उत्पाद (GDP),
- आय रोजगार एवं कीमत स्तर (Income,Employment and Price level)

इत्यादि विशिष्टीकृत क्षेत्रों में वैश्वीकरण के प्रभावों की पड़ताल की जा सकती है।

आयोजक संस्था का परिचय

वर्ष 1982 में स्थापित स्वामी विवेकानंद शासकीय वाणिज्य महाविद्यालय, रतलाम शासकीय स्तर पर म.प्र. का एकमात्र ऐसा महाविद्यालय है जहाँ केवल वाणिज्य विषय की शिक्षा दी जाती है। महाविद्यालय का विस्तृत परिचय इसकी वेबसाईट www.mp.gov.in/highereducation/svccratlam पर देखा जा सकता है।

रतलाम का परिचय

म.प्र. के पश्चिमी क्षेत्र में मालवा पठार पर स्थित रतलाम नाम का यह शहर उज्जैन संभाग के अंतर्गत एक जिला मुख्यालय है। लगभग 4 लाख की जनसंख्या वाले इस शहर को यहाँ की प्रसिद्ध नमकीन सेव तथा सोने की शुद्धता के लिये देशभर में जाना जाता है। यह पश्चिमी रेलवे का एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण जंक्शन है। देश के सभी प्रमुख नगरों एवं महानगरों से सीधे जुड़ा होने के कारण यहाँ रेलमार्ग द्वारा बड़ी आसानी से पहुँचा जा सकता है।

मौसम

फरवरी में यहाँ न्यूनतम तापमान 10° से 15° सेल्सियस के बीच रहता है। प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे ऊनी वस्त्र अवश्य साथ लाएं।

रतलाम एवं आसपास के दर्शनीय स्थल

मांगल्य मंदिर (4 Km), विरूपाक्ष महादेव मंदिर (15 Km), केक्टस गार्डन (20 Km), हुसैन टेकरी (36 Km), नागेश्वर जैन तीर्थ (85 km), पशुपतिनाथ मंदिर (85 Km), महाकाल मंदिर (100 km) ।

आयोजक महाविद्यालय द्वारा यू.जी.सी. नियमानुसार शोधपत्र प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित प्रतिभागियों को द्वितीय श्रेणी रेल या बस किराये का भुगतान किया जाएगा तथा उनके आवास एवं भोजन की व्यवस्था की जाएगी।

प्रति व्यक्ति पंजीयन शुल्क

- स्थानीय प्रतिभागी	-	150 /-
- अन्य प्रतिभागी	-	250 /-